समझिए कि हमें एक विरासत देने में परमेश्वर को क्या कीमत
चुकानी पड़ी

शब्दकोश के अनुसार, “विरासत” का अर्थ है—किसी की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति प्राप्त करना। बाइबिल में भी यह सिद्धांत प्रायः पाया जाता है कि किसी वस्तु का स्वामित्व केवल मृत्यु के पश्चात स्थानांतरित होता है—चाहे वह शाब्दिक मृत्यु हो या प्रतीकात्मक (जैसे कि वाचा या वसीयत के माध्यम से)। कोई व्यक्ति विरासत का प्रबंधन तो कर सकता है, लेकिन वह कानूनी रूप से तभी उसका होता है जब देनेवाले की मृत्यु हो चुकी हो।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से यह वही है जो बाइबिल सिखाती है: परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ एक वाचा बाँधी, जिसमें उसने उन्हें एक विरासत देने का वादा किया—जो केवल मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा प्राप्त हो सकती है।

बाइबिल की नींव: मृत्यु, वाचा, और अंतिम विरासत

इब्रानियों 9:16-17 (HINDI O.V.) में लिखा है:

“क्योंकि जहाँ वसीयत है वहाँ वसीयत करनेवाले की मृत्यु की पुष्टि आवश्यक है। क्योंकि वसीयत तो मृत्यु के बाद ही लागू

समझिए कि हमें एक विरासत देने में परमेश्वर को क्या कीमत
चुकानी पड़ी

होती है, जब तक वसीयत करनेवाला जीवित रहता है, वह प्रभावी
नहीं होती।”

यहाँ लेखक यह समझा रहा है कि नई वाचा—जो विरासत परमेश्वर ने हमें दी है—वह मसीह की मृत्यु के बिना लागू नहीं हो सकती थी। जब तक मृत्यु नहीं होती, तब तक कानूनी रूप से कुछ भी स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। धार्मिक दृष्टि से देखा जाए, तो मसीह की मृत्यु ही वह “मूल्य” या “गारंटी” है जिसके द्वारा यह विरासत संभव हुई।
जैसा कि इब्रानियों 9:22 में लिखा है:

“यदि लहू न बहाया जाए, तो पापों की क्षमा नहीं होती।”

विरासत क्या है? और वारिस कौन हैं?

विरासत क्या है?

इब्रानियों 9:15 में विरासत को “नित्य उद्धार” और “एक सदा की प्रतिज्ञा की हुई विरासत” के रूप में वर्णित किया गया है—उनके लिए जो मसीह के लहू से शुद्ध किए गए हैं।

समझिए कि हमें एक विरासत देने में परमेश्वर को क्या कीमत
चुकानी पड़ी

इफिसियों 1:18 में पौलुस प्रार्थना करता है:

“कि वह तुम्हारे मन की आँखें खोल दे, ताकि तुम यह जान सको कि उसकी बुलाहट से तुम्हें कैसी आशा प्राप्त हुई है, और पवित्र लोगों में उसकी विरासत की कैसी महिमा की धन्यता है।”

यह “आशा” एक निश्चिंत भरोसा है, जो मसीह के कार्यों—उसके पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण और आत्मा के दिए जाने—पर आधारित है।
“महिमा की धन्यता” केवल भौतिक नहीं है, बल्कि आत्मिक आशीषें हैं: पापों की क्षमा, परमेश्वर की संतान बनना, पुनरुत्थान, परमेश्वर के साथ संगति, अनन्त
जीवन और महिमा में प्रवेश।

वारिस कौन हैं?

वे सभी जो मसीह में हैं—जो उस पर विश्वास करते हैं, पवित्र आत्मा के द्वारा नया जन्म पाए हैं, और परमेश्वर के साथ वाचा में चलते हैं। पौलुस उन्हें “पवित्र लोग”, “परमेश्वर की संतान”, और “मसीह के संगी वारिस” कहता है। यह विरासत विश्वास और मसीह के पूर्ण कार्य पर आधारित है—मनुष्यों की योग्यता पर नहीं।

धार्मिक गहराई: वाचा, पूर्व-निर्धारण और छुटकारा

मसीह की मृत्यु विरासत के लिए आवश्यक क्यों है? इसे समझने के

समझिए कि हमें एक विरासत देने में परमेश्वर को क्या कीमत
चुकानी पड़ी

लिए कुछ प्रमुख धार्मिक विषयों को समझना आवश्यक है:

वाचा (Covenant Theology)

परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञाएँ कीं—चाहे पुरानी वाचा हो या नई—वे सदैव रक्त के द्वारा स्थापित की गईं। पुराने नियम में यह बलिदानों द्वारा होता था, और नए नियम में यह मसीह के एक बार किए गए बलिदान द्वारा हुआ। विरासत की प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए लहू बहाना आवश्यक था।

पूर्व-निर्धारण और चुना जाना

इफिसियों 1:11 में लिखा है:

“उसी में हमें मीरास भी मिली, जो उसी की इच्छा के संकल्प के अनुसार, सब कुछ अपने ही विचार से करता है, उसके द्वारा पहले से ठहराए गए हैं।”

इसका अर्थ है कि यह विरासत पहले से ही परमेश्वर की योजना में थी—संसार की उत्पत्ति से पहले से—और विश्वासियों को उसमें अनुग्रह से सम्मिलित किया गया।

समझिए कि हमें एक विरासत देने में परमेश्वर को क्या कीमत
चुकानी पड़ी

छुटकारा और मसीह का बलिदान

मसीह की मृत्यु ने पुराने वाचा को, जिसमें केवल प्रतीकात्मक और अस्थायी व्यवस्थाएँ थीं, पूर्ण कर दिया। अब नई वाचा के द्वारा विश्वासियों को वास्तविक, स्थायी विरासत प्राप्त होती है। इब्रानियों 9 यह स्पष्ट करता है कि पहला वाचा पूर्णता नहीं दे सकता था, लेकिन मसीह के एकमात्र बलिदान के द्वारा “सदा की विरासत” संभव हो गई।

भविष्य की पूरी विरासत: “अभी नहीं” और “अभी भी”

यह विरासत आंशिक रूप से अभी विद्यमान है, और पूर्ण रूप से भविष्य में प्रकट होगी:

अभी, क्योंकि विश्वासियों को आत्मिक आशीषें मिल चुकी हैं—जैसे कि गोद लिए जाना, आत्मा की छाप (seal), और मसीह में पहचान (Ephesians 1:13–14)।
अभी नहीं, क्योंकि इसकी संपूर्णता—शरीर का पुनरुत्थान, नई पृथ्वी और नया स्वर्ग—मसीह की दूसरी आगमन पर प्रकट होगी। तभी इस विरासत का पूर्ण प्रकटिकरण होगा।

अनुवाद संबंधी बातें

यहाँ पर हिंदी बाइबिल (ओ.वी.) का उपयोग किया गया है, जिससे शास्त्र स्पष्ट और विश्वसनीय रूप में प्रस्तुत हो सके।
कुछ अंग्रेजी अनुवादों जैसे REV में यह चर्चा है कि “उसकी विरासत” से
तात्पर्य परमेश्वर द्वारा दी गई विरासत हो सकता है, या फिर विश्वासियों को

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

समझिए कि हमें एक विरासत देने में परमेश्वर को क्या कीमत
चुकानी पड़ी

परमेश्वर की अपनी विरासत कहा गया है।

KJV व NKJV जैसे पुराने अनुवादों की भाषा में गहराई तो होती है, लेकिन आज के पाठकों के लिए थोड़ी कठिन हो सकती है।

आत्मिक उपयोग और जीवन में लागू करना

स्वीकार करें कि मसीह की मृत्यु परम आवश्यक थी—बिना इसके विरासत की प्रतिज्ञा पूरी नहीं हो सकती थी।

निश्चिंत रहें कि आप एक वारिस हैं—अपने गुणों के कारण नहीं, बल्कि मसीह पर विश्वास और परमेश्वर की कृपा से।

आशा और पवित्रता के साथ जीवन जीएँ—इस ज्ञान के साथ कि यह विरासत अविनाशी, निर्मल और सदा बनी रहनेवाली है (1 पतरस 1:4)।

इस सुसमाचार को साझा करें: मसीह में विरासत कोई विचार मात्र नहीं, बल्कि एक प्रतिज्ञा है—जो शास्त्र में आधारित है, मसीह के द्वारा सुरक्षित की गई है, और अंत में पूर्ण रूप से प्रकट होगी।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

GROUP….

Share on:
WhatsApp